द्विवेदी युग

नामकरण – आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के नाम पर।

अवधि – (1900 ई० से 1918-20 ई० तक)

पत्रिकाएँ –

सरस्वती – महावीर प्रसाद

सुदर्शन – देवकीनन्दन खत्री/माधवप्रसाद मिश्र

समालोचक – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

इन्दु – अम्बिकाप्रसाद गुप्त

मर्यादा – कृष्णकान्त मालवीय

प्रताप – गणेशशंकर विद्यार्थी

प्रभा – बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

चाँद – रामरख सहगल / चण्डीप्रसाद 'हृदयेश'

माधुरी – दुलारेलाल भार्गव

LIKE
SHARE
Gyan SINDHU Coaching CLASSES
YouTube

प्रमुख लेखक –

महावीर प्रसाद द्विवेदी – रसज्ञ रंजन

श्यामसुन्दर दास – रूपक रहस्य

बाबू गुलाबराय – ठलुआ क्लब

जयशंकर प्रसाद – कानन-कुसुम

मैथिलीशरण गुप्त – साकेत, अनघ, यशोधरा

सरदार पूर्ण सिंह – मजदूरी और प्रेम

चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' – उसने कहा था

Scanned by CamScanner

मिश्रबन्धु – मिश्रबन्धु विनोद

पद्मसिंह – बिहारी सतसई की भूमिका

पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी – पंचपात्र

Trick – पत्रिका →
सरस्वती सुधा मर्यादा माधुरी समालोचक प्रभा

सासू ने समा को देख इन्दु प्रभा प्रताप

को बुलाया चाँद मधुर हुआ।

Trick – लेखक →

महावीर ने श्याम को गुप्त रूप से

प्रसाद में गुलाब दिया और

गुलेल से मिश्र तथा पद्म को

बख्शीश दी।

Scanned by CamScanner